

18 से होगा कॉपियों का मूल्यांकन

249 केंद्रों पर किया जाएगा मूल्यांकन, नियुक्त किए जाएंगे पर्यवेक्षक

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। यूपी बोर्ड परीक्षा-2026 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से शुरू होकर एक अप्रैल तक प्रदेश के 249 मूल्यांकन केंद्रों पर किया जाएगा। मूल्यांकन प्रक्रिया की पूरी तरह गोपनीय और पारदर्शी बनाए रखने के लिए परिषद ने सख्त निर्देश जारी किए हैं।

परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं की गोपनीयता बनाए रखना अनिवार्य होगा। किसी भी स्तर पर मौखिक, लिखित, डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक

यूपी बोर्ड : गोपनीयता भंग करने पर होगी कार्रवाई



माध्यम से उत्तर पुस्तिका अथवा मूल्यांकन से संबंधित किसी भी सूचना को साझा करना पूरी तरह प्रतिबंधित है। गोपनीयता भंग होने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मूल्यांकन कार्य की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में एक पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएंगे। वहीं, प्रत्येक मूल्यांकन केंद्र पर जिलाधिकारी द्वारा स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी। मूल्यांकन कार्य वॉयस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में कराया जाएगा। इसकी कनेक्टिविटी जनपद तथा राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से होगी।

मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षकों और कर्मचारियों को मोबाइल फोन या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मूल्यांकन कक्ष में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मूल्यांकन केंद्रों की सुरक्षा के लिए अवांछनीय

तत्वों पर नजर रखने हेतु एलआईयू और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की तैनाती भी की जाएगी। मूल्यांकन कार्य समाप्त होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के बंडलों को परिषद के क्षेत्रीय कार्यालयों तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक टुक के साथ दो सशस्त्र पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे।

परिषद के अनुसार, 17 मार्च को सभी मूल्यांकन केंद्रों पर उप नियंत्रक द्वारा मूल्यांकन कार्य में लगाए गए शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए संबंधित जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) द्वारा शिक्षकों को परिचय पत्र भी जारी किए जाएंगे।

मस्जिद में घुसकर तोड़फोड़, धार्मिक किताब फाड़ी

बड़ौता (खागपत)। हिलबाड़ी गांव में शुक्रवार रात असामाजिक तत्वों ने छोटी मस्जिद में घुसकर तोड़फोड़ कर दी और धार्मिक किताब फाड़ने का भी आरोप है।

सूचना मिलने पर मस्जिद के बाहर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। उन्होंने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। वहां आए पुलिसकर्मियों ने कार्रवाई का आवाहन देकर मामला शांत कराया। पुलिस ने दो युवकों से पूछताछ भी की। हिलबाड़ी गांव में शनिवार सुबह नमाज पढ़ने के लिए लोग पहुंचे तो उन्हें वहां सामान बिखरा हुआ मिला। मस्जिद में बर्तन समेत अन्य सामान भी टूटे हुए मिले, जबकि धार्मिक किताब के पन्ने फर्श पर फैले हुए थे। इसका पता चलते ही लोगों में आक्रोश पनप गया। संवाद

संगठन और सरकार के बदलाव में दिखाई देगी समन्वय बैठकों की छाप

लखनऊ। सरकार, संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बीच समन्वय बैठकों का दौर शनिवार को खत्म हो गया। अब इन बैठकों में उठे मुद्दे और सुझावों पर काम होगा। भाजपा की मियासी प्रयोगशाला में पहली बार माझको लेवल पर आयोजित इन छह क्षेत्रीय बैठकों को लेकर मियासी गलियारों में कयासबाजी शुरू हो गई है।

बैठकों को लेकर मुस्यंभरजी योगी आदिनाथ की सक्रियता ने उपेक्षा से हताश-निराश कार्यकर्ताओं में नई उम्मीद जागाई है। बैठकों के जरिए यह संदेश देने की कोशिश भी की गई है कि संगठन व सरकार न केवल

पहली बार संघ के साथ हुई छह क्षेत्रीय बैठकों में उठे मुद्दे और सुझावों पर होगा काम

चुनावी तैयारियों को मिलकर आगे बढ़ाएंगे, बल्कि कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर कर जनता और संगठन के बीच मजबूत पुल भी बनाएंगे।

दरअसल, पंचाचार चुनाव के साथ ही 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मुद्दों पर खड़ी भाजपा और सरकार के सामने कई ऐसे मुद्दे हैं जिनका त्वरित समाधान जरूरी है। इनमें यूपीसी विवाद, ब्राह्मणों में अंसंतोष, कार्यकर्ताओं की नाराजगी, प्रदेश से

लेकर जिला व मंडल तक संगठन में कुत्सी की मागमारि और बोर्ड, निगम व निकायों में कार्यकर्ताओं के समायोजन जैसे कई मुद्दे हैं। सभी समन्वय बैठकों में यही मुद्दे उठे। साफ है कि बैठकों में हुए मुद्देवार मंथन की छाप आगामी रणनीति में दिखेगी।

बताया जा रहा है कि बैठकों में उठे मुद्दों और समस्याओं के साथ सुझावों की भी सीएम, प्रदेश भाजपा संगठन और संघ के प्रदेश नेतृत्व के सामने रखा गया है। भाजपा और संघ में कार्यकर्ताओं की तमाम शिकायतों को दूर कर सभी मुद्दे सलजाने की रूपरेखा तैयार करने की सहमति बनी है। ब्यूरो

पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर जानलेवा हमले मामले में अब 11 को सुनवाई

वाराणसी। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) वनूवेंद्र विक्रम सिंह की अग्रतल में शनिवार को जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर जानलेवा हमले मामले में सुनवाई हुई। बहस जारी रखते हुए कोर्ट ने अगली सुनवाई पर लिए 11 मार्च की तिथि नियत की है। संवाद



अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला शक्ति को प्रणाम

हमारी महिला वितरक बंधु और अभिकर्ता केवल अखबार ही नहीं पहुंचातीं, बल्कि विश्वास और जिम्मेदारी की मिसाल भी पेश करती हैं।

अमर उजाला | Impressions | Mula Cyman | amarujala.com | TVuch PPrint | BONUS

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बुलन्दशहर

पत्रांक: परि.प्र./11017-18/ 2025-26

दिनांक: 06.03.2026

कार्यालय आदेश

अधोहस्ताक्षरी कार्यालय के द्वारा लगातार अनुपस्थित शिक्षक/ शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह में उपस्थित होने के निर्देश दिये गये थे। परन्तु दिनांक 07.03.2026 तक किसी शिक्षक/ शिक्षणेत्तर कर्मचारी का जबाब प्राप्त नहीं हुआ है। निम्न विवरणानुसार अन्तिम नोटिस दी जाती है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पदनाम	विद्यालय व विकास खण्ड का नाम	अनुपस्थित रहने का दिनांक
1.	जीनत फातिमा सिद्धकी	स.अ.	कम्पोजिट उ.प्रा.वि. खखुडा, वि.क्षे.-शिकारपुर	31.01.2021 से अद्यतन
2.	नमिता चौधरी	स.अ.	कम्पोजिट प्रा.वि. सीकरी नं.-02 वि.क्षे.-खुर्जा	2021 से अद्यतन
3.	कवल निर्मेश	स.अ.	उ.प्रा.वि. बिसाईच वि.क्षे.-गुलावठी	01.01.2020 से अद्यतन
4.	रामगोपाल शर्मा	स.अ.	उ.प्रा.वि. रूनसी (1-8) वि.क्षे. पहासू	10.03.2021 से अद्यतन
5.	पवन कुमार	स.अ.	प्रा.वि. भोपतपुर वि.क्षे.-पहासू	22.10.2019 से अद्यतन
6.	शिवानी चौधरी	स.अ.	उ.प्रा.वि. लोहलारा वि.क्षे.-अगौता	01.07.2017 से अद्यतन
7.	बीना वरुण	स.अ.	उ.प्रा.वि. महेशपुर वि.क्षे.-अगौता	01.01.2018 से अद्यतन
8.	कीर्ति सोनी	स.अ.	प्रा.वि. सरोहा वि.क्षे.-डिबाई	12.08.2021 से अद्यतन
9.	गौरव पाल सिंह	स.अ.	प्रा.वि. खानपुर नं.-01 वि.क्षे.-ऊंचागांव	मार्च 2020 से अद्यतन
10.	सुनिता	स.अ.	प्रा.वि. कलन्दरगढ़ी वि.क्षे.-खुर्जा	2015 से अद्यतन
11.	रामकुमार	अनुचर	उ.प्रा.वि. दिनौल वि.क्षे.-खुर्जा	2007 से अद्यतन
12.	अमित कुमार	अनुचर	सं.वि. बौरोली वि.क्षे.-खुर्जा	2013 से अद्यतन
13.	कृष्णा	चौकीदार	कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बुलन्दशहर	मई 2023 से अद्यतन

उपरोक्त शिक्षक/ शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अपनी अनुपस्थिति के संबंध में अन्तिम अवसर देते हुए निर्देशित किया जाता है कि एक सप्ताह में अनुपस्थिति के सम्बंध में स्पष्ट आख्या के साथ अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। एक सप्ताह के बाद प्राप्त अभिकथन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा तथा उक्त कर्मचारियों की सेवा समाप्त की कार्यवाही की जायेगी, जिसका सम्पूर्ण उत्तरवाचित